हाईटेक चोर बने पुलिस के लिए चुनौती

विजयनगर पुलिस ने हरियाणा-राजस्थान गिरोह के सदस्य से बरामद किया था 30 लाख का माल

- गूगल से कॉलोनी सर्च कर दे रहे चोरी की वारदातों को अंजाम
- बाहरी गिरोहों की बढ़ी सक्रियता

नवभारत न्यूज

इंदौर. शहर में चोरी की वारदातों को अंजाम देने के लिए अब चोर पारंपरिक तरीके छोड़कर तकनीक का सहारा लेने लगे हैं. हालात ये हैं कि कुछ गिरोह गूगल सर्च से कॉलोनियों की लोकेशन और एंट्री-एग्जिट रूट्स तक का पता लगाकर वारदात को अंजाम दे रहे हैं, जिससे पुलिस के लिए इन हाईटेक चोरों तक पहुंचना चुनौती बन गया है.

शहर में इन दिनों बाहरी राज्यों के चोर गिरोहों की गतिविधियां बढ़ गई हैं. हाल ही में विजयनगर पुलिस ने हरियाणा-राजस्थान के सतपाल गिरोह के सदस्य नरेश यादव को गिरफ्तार किया था. आरोपी के कब्जे से करीब 30 लाख रुपए का चोरी का माल बरामद हुआ था, जबकि उसका एक साथी परमिंदर अब भी फरार है. पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा है. बावजूद अब तक आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर है. पिछले दिनों पकड़े गए आरोपी नरेश यादव ने पुलिस को बताया कि वे कार से इंदौर आते थे और गूगल मैप से नई कॉलोनियों और उनके रास्तों की जानकारी जुटाते थे. इसके बाद टारगेट तय कर दिनभर इलाके की रेकी करते और रात में वारदात को अंजाम देकर निकल जाते थे. पुलिस को गुमराह करने के लिए वे आने-जाने में अलग-अलग रास्तों का इस्तेमाल करते थे और टोल नाकों से भी बचते थे.

> वहीं, कुछ दिन पहले पुलिस ने दिल्ली के एक चोर गिरोह को पकड़ा था, जो मोबाइल फोन का उपयोग पूरी तरह बंद रखता था, ताकि लोकेशन ट्रेस न हो सके. यह गिरोह वारदात के दौरान आपसी संपर्क के लिए वॉकी-टॉकी का इस्तेमाल करता था. इसके अलावा कई अन्य गिरोह ऐसे भी पकड़े गए हैं, जो कार से शहर में आते हैं और चोरी के दौरान वाहन की नंबर प्लेट बदल लेते हैं. पुलिस का कहना है कि ऐसे हाईटेक अपराधियों से निपटने के लिए अब साइबर और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम बनाई गई है, जो डिजिटल ट्रेल और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर इन गिरोहों को ट्रैक कर रही है.

नवजात को सिटी बस में लावारिस छोड़ दंपती हुए फरार

- सरवटे बस स्टैंड से सनावद जाने वाली बस में मिली बच्ची
- सीसीटीवी से पुलिस कर रही आरोपी दंपती की तलाश

नव भारत न्यूज

इंदौर. सरवटे बस स्टैंड पर मंगलवार दोपहर एक बस में नवजात शिशु मिलने से हड़कंप मच गया. जानकारी मिलते ही छोटी ग्वालटोली पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चे को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया. पुलिस अब उस दंपती की तलाश में जुटी है, जिसने बच्चे को बस में छोड़कर चुपचाप गायब हो गया.

थाना प्रभारी संजू कामले ने बताया कि घटना दोपहर करीब एक बजे के बाद की है. सरवटे बस स्टैंड से सनावद जाने के लिए बस

रवाना होने ही वाली थी, तभी एक दंपती बच्चे को गोद में लिए बस में चढ़े और कुछ देर बाद कंडक्टर से यह कहकर उतर गए कि वे सामान लेने जा रहे हैं. कंडक्टर ने पुलिस को बताया कि बस में चढ़ते समय दंपती के हाथ में नवजात था, लेकिन उतरते वक्त वह बच्चा उनके पास नहीं था. भीड़ अधिक होने के कारण वह इस बात पर ध्यान नहीं दे पाया. जब काफी देर तक वे नहीं लौटे, तो यात्रियों ने कंडक्टर को सीट के पास कुछ दिखने की बात बताई.

जांच में सामने आया कि दंपती बस के आगे वाले दरवाजे से चढ़े और पीछे बने दरवाजे से उतर गए, ताकि किसी को शक न हो. कंडक्टर ने तत्काल पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंची छोटी ग्वालटोली पुलिस ने नवजात को अस्पताल भिजवाया और बस स्टैंड के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए. कामले का कहना है कि दंपती की पहचान जल्द कर ली जाएगी और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा, फिलहाल नवजात को चिकित्सकों की देखरेख में रखा गया है.

एक नजर में

यातायात हेल्पलाइन पर मिलीं 19 शिकायतें, 12 निपटाई

इंदौर. यातायात संबंधी समस्याओं के तुरंत समाधान के लिए जारी व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर पर आने वाली शिकायतों पर पुलिस तत्काल कार्रवाई कर रही है. 27 अक्टूबर को एक ही दिन हेल्पलाइन पर 19 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 12 का उसी समय निराकरण कर दिया गया, जबकि 7 शिकायतों पर कार्रवाई की जा रही है. 27 सितंबर को शुरू हुई इस हेल्पलाइन पर अब तक एक माह में कुल 650 शिकायतें मिलीं, इसमें से 634 शिकायतें निपटाई जा चुकी हैं. शेष पर कार्रवाई जारी है. पुलिस की इस पहल से आम जनता को काफी राहत मिल रही है. यातायात हेल्पलाइन पर ट्रैफिक पुलिस को जो शिकायतें मिल रही हैं, उनमें प्रमुख रूप से गलत नंबर प्लेट, प्रेशर हॉर्न, बिना नंबर के वाहन, अवैध पार्किंग, सड़क पर टेंट लगाने से जाम लगना, यात्री वाहनों की तेज रफ्तार और मोडिफाइड साइलेंसर जैसी समस्याएं शामिल हैं. हेल्पलाइन पर शिकायत मिलते ही संबंधित क्षेत्रों में तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कई वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई भी की. हेल्पलाइन शुरू होने के बाद अब तक 650 शिकायतें दर्ज हुई हैं, जिनमें से 634 का तुरंत निराकरण किया जा चुका है. शेष 16 शिकायतों पर कार्रवाई जारी है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नागरिकों की सहभागिता से यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सकता है. वहीं, पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे यातायात नियमों के उल्लंघन या जाम जैसी स्थिति होने पर हेल्पलाइन नंबर 7049107620 पर तुरंत सूचना दें.

शराब के पैसे नहीं देने पर बेटे ने मां को पीटा

इंदौर. शहर के अलग-अलग इलाकों में पारिवारिक विवाद और झगड़ों के चलते मारपीट और धमकी के तीन मामले सामने आए हैं. सभी मामलों में पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पहला मामला बाणगंगा थाना क्षेत्र का है, जहां मगरखेड़ा निवासी रेखाबाई चौहान ने अपने बेटे दीपक चौहान के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है. रेखाबाई ने पुलिस को बताया कि दीपक सोमवार को घर आया और शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगा. जब उसने पैसे देने से मना किया तो बेटे ने उसके साथ मारपीट की और धमकियां दीं. आरोपी पहले भी मां से मारपीट कर चुका है और आए दिन शराब के पैसों के लिए झगड़ा करता था. दीपक खुद कोई काम नहीं करता और आए दिन पैसों की मांग करता है, नहीं देने पर विवाद करता है. पुलिस ने उसके खिलाफ मारपीट व धमकी की धाराओं में केस दर्ज किया है. दूसरा मामला एरोड्रम थाना क्षेत्र का है, जहां युवराज सोनी की रिपोर्ट पर कुणाल और रोशन के खिलाफ केस दर्ज किया है. बच्चों के बीच हुई कहासुनी को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी युवराज पर टूट पड़े. उन्होंने उसके साथ जमकर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी. बताया जा रहा है कि बच्चों के बीच पहले भी झगड़ा हो चुका था.

स्वास्थ्य केंद्र पर लापरवाही को लेकर कांग्रेसियों ने सौंपा ज्ञापन

महू. मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर मरीजों के साथ बरती जा रही लापरवाही और वहां व्याप्त असुविधाओं को लेकर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एसडीएम के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा. यह जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस प्रवक्ता जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया कि अस्पताल में गंभीर लापरवाही बरती जा रही है, वहीं मरीओं को कई असुविधाओं से भी गुजरना पड़ रहा है. ज्ञापन में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ऑपरेशन के बाद मरीज महिलाओं को बेड की जगह जमीन पर सुलाया जाता है, साथ ही साफ-सफाई भी सही से नहीं जाती, पीने के पानी की उचित व्यवस्था भी नहीं है, सीसीटीवी कैमरे भी बंद पड़े हैं और जिम्मेदार मौन हैं. इन्ही सब समस्याओं के समाधान के लिए ज्ञापन सौंपा गया है. इस मौके पर मुख्य रूप से जुगनू जादवसिंह धनावत, विजेंद्रसिंह चौहान, शक्तिसिंह गोयल, जनपद प्रतिनिधि विलीन पाटीदार, मनोहर गावड़, मनमोहन गुनावत, अरविंद गुनावत, गजेंद्रसिंह राठौर, एडवोकेट आशीष वर्मा, आशीष जैन, तोलाराम बरगट, ओम पटेल, प्रवीणसिंह सोलंकी, गोविंद पड़ीहार, मुस्तकीम कुरैशी, सद्दाम पटेल, विनोद भार्गव, विकास ठाकुर, अलअमन खान, सनीसिंह राजपूत, अभिषेक यादव, शैलेश जाट, रोहित कागट, पंकज मीणा, अरुण गुर्जर, चेतन मुकाती, यदुनंदन पाटीदार, हरिसिंह निनामा, राजमल बारिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे. ज्ञापन का वाचन अरविंद गुनावत ने किया.

उपनगरीय बस ने पांच वाहनों को मारी टक्कर

महू. मानपुर रोड स्थित जामली गांव में एक तेज रफ्तार उपनगरीय बस बेकाबू होकर तीन बाइक, एक ऑयशर वाहन और एक कार को टक्कर मारते हुए बाउंड्रीवॉल में जा घुसी. हादसे के बाद यात्री दहशत के कारण चीखने-चिल्लाने लगे. बस रुकने के बाद घबराए यात्री बमुश्किल पिछले गेट से बाहर निकले. प्रत्यक्षदर्शी अजय पाटीदार ने बताया कि मानपुर से महू की ओर आ रही

ठाकुर ट्रैवल्स की बस तेज रफ्तार से चल रही थी. चालक ने अचानक नियंत्रण खो दिया और असंतुलित बस एक के बाद एक पांच से अधिक वाहनों को टक्कर मारते हुए बाउंड्रीवॉल तोड़कर तेज आवाज के साथ अंदर जा घुसी. घटना की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए. हादसे के बाद बस में सवार यात्री घबराकर पिछले गेट से नीचे उतरे. ग्रामीणों ने उनकी मदद की. मौके पर मौजूद भीड़ ने बस चालक को पकड़ लिया और उसे बडग़ोंदा पुलिस के हवाले कर दिया. बडग़ोंदा पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है.

भाईदूज पर ननद के घर जा रही महिला से मंगलसूत्र झपटा

- कनाड़िया में बाइक सवार बदमाशों ने की वारदात
- सीसीटीवी में कैद हुए दोनों आरोपी

नव भारत न्यूज

इंदौर. भाईदूज के दिन परिवार के साथ जा रही एक महिला के गले से बाइक सवार लुटेरों ने मंगलसूत्र लूट लिया. वारदात उस समय हुई, जब महिला अपने पति और बेटे के साथ स्कूटर से ननद के घर कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थी. घटना के बाद महिला के बेटे ने आरोपियों का पीछा भी किया, लेकिन वे तेज रफ्तार बाइक से भाग निकले. थाना प्रभारी सहर्ष यादव ने बताया कि गोविंद कॉलोनी निवासी मंजू परमार अपने पति संतोष और बेटे अंकित के साथ दोपहर इलेक्ट्रिक स्कूटर से डायमंड कॉलोनी की ओर जा रही थीं. तभी पीछे से बिना नंबर की बाइक पर सवार दो युवक पहुंचे. बाइक के पीछे बैठे बदमाश ने मंजू के गले से झपट्टा मारकर मंगलसूत्र तोड़ लिया और साथी के साथ फरार हो गया. मंजू के चिल्लाने पर बेटे अंकित ने स्कूटर रोककर पूरी बात जानी और आरोपियों का पीछा किया, लेकिन दोनों कुछ ही पलों में आंखों से ओझल हो गए. इसके बाद परिजन कनाड़िया थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें दोनों आरोपियों के चेहरे स्पष्ट नजर आए हैं. पुलिस ने उनकी पहचान कर ली है और जल्द गिरफ्तारी की बात कही है.

पुलिस जनसुनवाई : 59 शिकायतें मिलीं, कई का तत्काल निराकरण

आमजन की व्यथा सुनकर पुलिस कमिश्नर ने दिए जांच उपरांत निराकरण के आदेश

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहरवासियों की समस्याओं के तुरंत समाधान के उद्देश्य से इस मंगलवार को भी पुलिस आयुक्त कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित की गई. इस दौरान कुल 59 आवेदन प्राप्त हुए, जिन्हें गंभीरता से सुनते हुए पुलिस आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए.

प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली इस जनसुनवाई में आज 59 आवेदन प्राप्त हुए. इनमें आपसी विवाद, पारिवारिक झगड़े, धोखाधड़ी, जमीन से जुड़े विवाद,

महिला अपराध और अन्य नागरिक समस्याओं से संबंधित शिकायतें शामिल थीं. कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के साथ अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था अमित सिंह सहित सभी जोन के अधिकारी मौजूद रहे. अधिकारियों ने आवेदकों की बात ध्यानपूर्वक सुनी और मौके पर ही कई मामलों में समाधान के निर्देश दिए. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कुछ शिकायतें अन्य विभागों से संबंधित पाई गईं, जिनमें आवेदकों को संबंधित विभाग से संपर्क कर आवश्यक कार्रवाई करने की समझाइश दी गई. कमिश्नर ने कहा कि आमजन की समस्याओं का तुरंत और पारदर्शी निराकरण पुलिस की प्राथमिकता है. इस उद्देश्य से जनसुनवाई का सिलसिला नियमित रूप से जारी रहेगा.

ट्रैफिक प्रहरी अभियान में शामिल नागरिकों को किया सम्मानित

- यातायात सुधार में आमजन की भागीदारी बढ़ाने का प्रयास
- जैकेट-कैप व पहचान सामग्री वितरित

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर की यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा नागरिकों को यातायात प्रबंधन में सहभागी बनाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त ने ट्रैफिक प्रहरी अभियान से जुड़ने वाले जिम्मेदार नागरिकों को सम्मानित किया. इस अवसर पर उन्हें जैकेट, कैप, लाइट बेटन, सीटी और पहचान बैज प्रदान किए.

कार्यक्रम पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित हुआ, जिसमें डीसीपी प्रभारी यातायात आनंद कलादगी, एडिशनल डीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया सहित अन्य अधिकारी और ट्रैफिक प्रहरी शामिल रहे. पुलिस कमिश्नर ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य जनता में यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूकता बढ़ाना और शहर के सुगम व सुरक्षित यातायात में जनसहभागिता को प्रोत्साहित करना है. उन्होंने बताया कि अभियान से जुड़ने वाले नागरिक अपने सुविधानुसार समय और क्षेत्र चुनकर यातायात प्रहरी के रूप में योगदान दे सकते हैं. इसके लिए इच्छुक नागरिक क्यूआर कोड स्कैन कर ऑनलाइन गूगल फॉर्म भर सकते हैं.

> ट्रैफिक प्रहरी के रूप में जुड़ने वाले नागरिक यातायात पुलिस की मदद करते हुए त्योहारों और बड़े समारोहों व कार्यक्रमों के दौरान चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में यातायात व्यवस्था बनाए रखने, नियम उल्लंघन की जानकारी देने, दुर्घटनाओं या जाम की स्थिति में सूचना पहुंचाने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने में सहयोग देंगे. पुलिस कमिश्नर ने अभियान से जुड़े सभी स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा कि यातायात व्यवस्था केवल पुलिस की नहीं, पूरे शहर की जिम्मेदारी है. जागरूक नागरिक ही सुरक्षित यातायात का आधार बन सकते हैं.

मानसिक बीमार युवती से दो पड़ोसियों ने कई बार किया रेप

- युवती के गर्भवती होने पर हुआ खुलासा
- बाणगंगा पुलिस ने दोनों आरोपियों को किया गिरफ्तार

नव भारत न्यूज

इंदौर. बाणगंगा थाना क्षेत्र में एक दिल को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है. यहां मानसिक रूप से बीमार युवती के साथ उसके ही पड़ोस में रहने वाले दो युवकों ने कई बार दुष्कर्म किया. घटना का खुलासा तब हुआ, जब युवती गर्भवती हो गई. परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर ने बताया कि 20 वर्षीय युवती अपने परिवार के साथ रहती है. परिवार मजदूरी कर जीवनयापन करता है. परिवार के काम पर जाने के बाद आरोपी उसके घर पहुंचकर ज्यादती करते थे. युवती की मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह यह बात किसी को नहीं बता सकी. परिजनों ने बताया कि कुछ दिनों से युवती की तबीयत बिगड़ने पर जब जांच कराई गई, तो उसके गर्भवती होने की पुष्टि हुई. पूछताछ में युवती ने पड़ोस में रहने वाले भीमा उर्फ बंगाली बाबा और छोटू उर्फ रमेश के नाम बताए. पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस मेडिकल जांच कराकर आगे की कार्रवाई कर रही है.

ब्लैक फिल्म लगी कारों पर यातायात पुलिस की सख्ती

- रोबोट चौराहे से रेडिसन की ओर आ रही लग्जरी गाड़ी पकड़ी
- पुलिस ने मौके पर ही हटाई ब्लैक फिल्म, बनाया चालान

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस आयुक्त सिंह के निर्देश पर यातायात पुलिस का विशेष अभियान जारी है. जिसके तहत यातायात पुलिस ने एक ब्लैक फिल्म लगी कारों को पकड़ा और नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की.

पुलिस के अनुसार सूबेदार ब्रजराज अजनार रेडिसन चौराहा पर ड्यूटी पर थे, तभी रोबोट चौराहा पर तैनात आरक्षक संजय जाट ने सूचना दी कि एक काले रंग की थार गाड़ी नम्बर एमपी 09 एएफ 3322

पूरी तरह से ब्लैक फिल्म लगी हुई रेडिसन की ओर आ रही है. सूचना मिलते ही सूबेदार अजनार और आरक्षक राहुल ने वाहन को रोककर जांच की. जांच में गाड़ी की सभी खिड़कियों पर ब्लैक फिल्म लगी पाई गई, जिसे मौके पर ही हटवाया गया. चालक पर चालानी कार्रवाई की गई और उसे भविष्य में दोबारा ब्लैक फिल्म न लगाने की सख्त चेतावनी दी गई.

यातायात डीसीपी जोन-4 आनंद कलादगी ने बताया कि शहर में ऐसे वाहनों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है. यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वाहनों में ब्लैक फिल्म का प्रयोग न करें, क्योंकि यह न केवल कानूनन प्रतिबंधित है, बल्कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी अनुचित है.

प्रेम प्रसंग में धोखा मिलने पर युवक ने की आत्महत्या

सुसाइड नोट में लिखा युवती और उसके दोस्त ने धोखा दिया

नव भारत न्यूज

इंदौर. आजाद नगर क्षेत्र में देर शाम एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी. वह कुछ ही दिन पहले किराए के मकान में रहने आया था. मौके से पुलिस को दो पन्नों का सुसाइड नोट मिला है, जिसमें एक युवती और उसके दोस्त का नाम दर्ज है. प्राथमिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा सामने आया है, पुलिस अन्य बिंदुओं पर भी जांच कर रही है.

मृतक की पहचान 24 वर्षीय अनिल पुत्र प्रीतम अहिरवार निवासी इदरीश नगर के रूप में हुई है. अनिल मूल रूप से भोपाल के गणेशपुरी इलाके का रहने वाला था और मंगलसिटी स्थित एक बीपीओ कंपनी में कार्यरत था. वह करीब पंद्रह दिन पहले ही आजाद नगर में किराए से रहने आया था. जब वह पूरे दिन दोस्तों का कॉल नहीं उठा रहा था, तो वे उसे देखने पहुंचे. दरवाजा अंदर से बंद था. जब किसी तरह दरबाजा खोलकर देखा तो अनिल फंदे पर लटका मिला. बताया जा रहा है कि दोस्त घटना की सूचना पुलिस को दिए बिना ही चले गए. इसके बाद मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी.

> **दो पन्नों का सुसाइड नोट मिला**
>
> थाना प्रभारी लोकेन्द्र भदौरिया का कहना है कि कमरे से दो पन्नों का सुसाइड नोट मिला है, जिसमें एक युवती और उसके दोस्त का नाम लिखा है. सुसाइड नोट में अनिल ने आरोप लगाया है कि जिस युवती से वह प्रेम करता था, उसने अपने एक मित्र के साथ मिलकर उसे धोखा दिया और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. सुसाइड नोट की लिखावट और उसमें दर्ज नामों की पुष्टि के लिए फॉरेंसिक जांच कराई जाएगी. साथ ही, युवती और उसके परिचित युवक से पूछताछ की तैयारी भी की जा रही है.

समस्या — पूर्व में पंचायत और बाद में नगर निगम व विधानसभा चुनाव के दौरान नेता आश्वासन देकर चले गए, फिर सुध नहीं ली

विस्थापन के डर के साये में जीने को मजबूर हैं अहीरखेड़ी के रहवासी

इंदौर. जब मजदूरी करने के लिए दूसरे शहर से लोग यहां आकर बसने लगे तो मौजूदा शासन ने उन्हें पट्टे के प्लॉट दिए, ताकि वह यहां रहकर अपना गुजर-बसर कर सकें. शहर में आज भी कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां पट्टे की बस्ती बसी हुई हैं, लेकिन इन गरीब रहवासियों को यहां से हटाए जाने का डर हमेशा सताता रहता है. सुरक्षित भविष्य को देखते हुए वे हमेशा सरकार से अपेक्षा करते हैं उन्हें स्थाई रूप से बसा दिया जाए.

इसी तरह के डर के साये में जीने को मजबूर हैं हवा बंगला क्षेत्र में शहर की सीमा में बसे अहीरखेड़ी के रहवासी. यहां करीब 30 वर्ष पूर्व पट्टे की जमीन पर गरीब और मजबूर वर्ग के लोगों ने जैसे-तैसे अपने आशियाने बना लिए थे. यह बस्ती करीब आठ वर्ष पहले ही नगर निगम सीमा में आई, जो कि वार्ड -79 के अंतर्गत आती है. अहीरखेड़ी की इस बस्ती में कुछ के पास सरकारी पट्टे हैं तो कुछ के पास तो कोई कागज भी नहीं है, ताकि उन्हें दूसरा विकल्प मिल सके. पूर्व में पंचायत और वर्तमान में नगर निगम व विधानसभा चुनाव के दौरान बस्ती के रहवासियों ने अपने स्थाई पट्टों की मांग की, लेकिन हमेशा उन्हें सिर्फ आश्वासन ही दिया गया और चुनाव के बाद इस पर कोई चर्चा भी करने को तैयार नहीं है. दूसरी ओर, शासन द्वारा सरकारी जमीने कब्जा मुक्त करवाने की आए दिन समाचारों के माध्यम से मिलने वाली जानकारी से अहीरखेड़ी बस्ती के लोगों को अपने भविष्य की चिंता सता रही है.

यह बोले रहवासी...

अहीरखेड़ी में 30 वर्ष पुरानी बसाहट है. यहां कुछ लोगों के पास पट्टे हैं तो कुछ के पास नहीं, नेताओं और अधिकारियों से कहने जाओ तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं देता. हम आज भी अधर में लटके हैं.

- पार्वती बाई

जिन लोगों के पास पट्टे हैं, उन्हें भी हटा देते हैं, लेकिन जिनके पास नहीं हैं वो तो और भी खतरे में हैं. सरकार को हम गरीब मजदूरों के सुरक्षित भविष्य के लिए गंभीरता से कुछ करना चाहिए.

- भूरी रायकवार

हम गरीबी रेखा से भी नीचे जीवन जी रही हैं, भविष्य में हमें यहां से हटा दिया गया तो हम कहां जाएंगे, सरकार हमें स्थाई पट्टे दे, ताकि हमारे बच्चे कभी दर-दर भटकें नहीं.

- झिंगली बाई